भारतीय जैन संगठन

BJS
Bharatiya Jain Sangathan

जीवनसाथी के चयन प्रक्रिया में बदलाव

समस्या:

- विवाह तय होने में समस्या
- सगाईयों का टूटना
- दाम्पत्य जीवन में बढ़ती दूरियाँ
- पारिवारिक मनमुटाव
- तलाक दर में वृद्धि

समस्यों की वजह :

- वैवाहिक संबंध तय करने की पारंपरिक प्रक्रिया
- बेटे-बेटियों के लिए योग्य रिश्तों की जानकारियों का अभाव
- युवा पीढ़ी की वैवाहिक सोच एव अपेक्षाओं की ओर ध्यान न देना
- उचित समय पर रिश्ते तय न करना

यह समस्याऐं विकराल रूप ले और समाज के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करें इससे पहले हमें ठोस कदम उठाना होगा !

भारतीय जैन संगठन के संस्थापक श्री. शांतिलालजी मुथ्था लगभग ३० वर्षों से समाज में वैवाहिक विषयों पर कार्य कर रहे हैं.
वे मानते है कि आज विवाह तय करने की पारम्परिक प्रक्रिया में बदलाव की सख्त आवश्यकता हैं.
उनके विचारों को भारतीय जैन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी

श्री.....

दिनांक.....समय.....

स्थान.....

पर समाज के समक्ष प्रस्तुत करेंगे |

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे श्री.....मोबाईल नं.....

भारतीय जैन संगठन

BJS
Bharatiya Jain Sangathan

जीवनसाथी के चयन प्रक्रिया में बदलाव

समस्या:

- विवाह तय होने में समस्या
- सगाईयों का टूटना
- दाम्पत्य जीवन में बढ़ती दूरियाँ
- पारिवारिक मनमुटाव
- तलाक दर में वृद्धि

समस्यों की वजह :

- वैवाहिक संबंध तय करने की पारंपरिक प्रक्रिया
- बेटे-बेटियों के लिए योग्य रिश्तों की जानकारियों का अभाव
- युवा पीढ़ी की वैवाहिक सोच व अपेक्षाओं की ओर ध्यान न देना
- उचित समय पर रिश्ते तय न करना

यह समस्याएँ विकराल रूप ले और समाज के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा करें

इससे पहले हमें ठोस कदम उठाना होगा !

भारतीय जैन संगठन के संस्थापक श्री. शांतिलालजी मुथ्था लगभग ३० वर्षों से समाज में वैवाहिक विषयों पर कार्य कर रहे हैं. वे मानते है कि आज विवाह तय करने की पारम्परिक प्रक्रिया में बदलाव की सख्त आवश्यकता हैं.

उनके विचारों को भारतीय जैन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी

श्री.....

दिनांक.....समय.....

स्थान.....

पर समाज के समक्ष प्रस्तुत करेंगे.

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे श्री.....मोबाईल नं.....